

किसान दविस

प्रलिमिंस के लयि:

किसान दविस, राषट्रीय किसान दविस, चौधरी चरण सहि, किसानों के लयि पहल

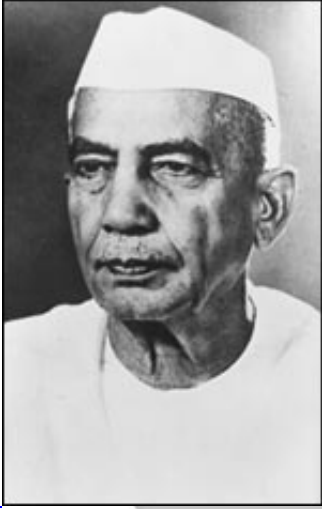
मेन्स के लयि:

सरकारी नीतयिँ और हसतकषेप, किसानों से संबंघति योजनाएँ

चरचा में कयों?

23 दसिंबर, 2022 को [किसान दविस या राषट्रीय किसान दविस](#) को चहिनति करने हेतु अभनिव खेती के लयि ख्याता प्राप्त 13 किसानों को सम्मानति कयि गय।

- भारत के पूरव प्रधानमंत्री चौधरी चरण सहि की जयंती मनाने के लयि देश भर में **किसान दविस मनाय** जात है।



चौधरी चरण सहि के बारे में मुख्य तथय:

- उनका जन्म 1902 में उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़िले के नूरपुर में हुआ था और 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक वे भारत के प्रधानमंत्री रहे।
- ग्रामीण और कृषि विकास के समर्थक होने के नाते, उन्होंने भारत के नियोजन के केंद्र में कृषि को रखने के लयि नरिंतर प्रयास कयि।
- पूरे देश में किसानों के उत्थान और कृषि के विकास की दशिा में उनके काम के लयि उन्हें 'चैपयिन ऑफ इंडियाज पीजेंटस' का उपनाम दयि गय।
- साहूकारों से किसानों को राहत दलाने के लयि, उन्होंने ऋण मोचन वधियक 1939 के नरिमाण और इसे अंतमि रूप देने में अग्रणी भूमिका नभिाई।
- उन्होंने भूमिजोत अधनियम, 1960 को लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिाई, जसिका उद्देश्य पूरे राज्य में भूमिजोत की सीमा को कम करना था ताकि इसे एक समान बनाय जा सके।
- उन्होंने वर्ष 1967 में कॉन्ग्रेस छोड़ दी और अपनी स्वतंत्र पार्टी बनाई जसि भारतीय लोक दल के नाम से जाना जात है।
- उन्होंने दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कयि। वे वर्ष 1979 में भारत के प्रधानमंत्री बने।
- वह 'जमींदारी का उन्मूलन', 'को-ऑपरेटवि फार्मिंग एक्सरेड', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'किसान स्वामतिव या शर्मकिों के लयि भूमि' तथा 'शर्मकिों के वभिाजन की रोकथाम' सहति 'प्रीवेंशन ऑफ डविाज़न ऑफ होल्डिंग्स ब्लो अ सरटेन मनिमिम' जैसी कई पुस्तकों और पुस्तकियाँ के लेखक थे।

किसानों के लिये संबंधित पहल:

- **पीएम-किसान:** इस योजना के तहत केंद्र सरकार प्रतिवर्ष 6,000 रुपए की राशि तीन समान कस्तों में सीधे सभी भूमिधारक किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित करता है, भले ही उनकी भूमि का आकार कुछ भी हो।
- **राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन:** इसका उद्देश्य वशिष्ट कृषि-पारिस्थितिकी के लिये उपयुक्त स्थायी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है।
- **प्रधान मंत्री कृषि सचिवाई योजना:** इसके तीन मुख्य घटक हैं जैसे त्वरित सचिवाई लाभ कार्यक्रम, हर खेत को पानी, और वाटरशेड विकास घटक।
- **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना:** इसे वर्ष 2007 में शुरू किया गया था, और राज्यों को जिला/राज्य कृषि योजना के अनुसार अपनी कृषि और संबद्ध क्षेत्र विकास गतिविधियों को चुनने की अनुमति दी गई थी।
- **पोषक तत्त्व आधारित सब्सिडी कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम के तहत, किसानों को इन उर्वरकों में नहिति पोषक तत्वों (N, P, K और S) के आधार पर रियायती दरों पर उर्वरक प्रदान किये जाते हैं।
- **राष्ट्रीय गोकुल मिशन:** यह दिसंबर 2014 से स्वदेशी गोजातीय नस्लों के विकास और संरक्षण के लिये लागू किया जा रहा है।
- **प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना:** यह फसल न होने की स्थिति में एक व्यापक बीमा कवर प्रदान करती है जिससे किसानों की आय को स्थिर करने में मदद मिलती है।
- **परंपरागत कृषि विकास योजना:** वर्ष 2015 में शुरू की गई, यह सतत कृषि के राष्ट्रीय मिशन (NMSA) की प्रमुख परियोजना के मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन (SHM) का एक वसित घटक है।
- **किसान क्रेडिट कार्ड:** किसानों को लचीली और सरलीकृत प्रक्रिया के साथ एकल खड़िकी के तहत बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता प्रदान करने के लिये वर्ष 1998 में यह योजना शुरू की गई थी।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न

प्रश्न: किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत किसानों को नमिनलखिति में से किस उद्देश्य के लिये अल्पकालिक ऋण सुविधा प्रदान की जाती है? (2020)

1. कृषि संपत्तियों के रखरखाव के लिये कार्यशील पूंजी
2. कंबाइन हार्वेस्टर, ट्रैक्टर और मनी ट्रक की खरीद
3. खेतहिर परिवारों की उपभोग आवश्यकताएँ
4. फसल के बाद का खर्च
5. पारिवारिक आवास का निर्माण एवं ग्राम कोल्ड स्टोरेज सुविधा की स्थापना

नमिनलखिति कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये:

- (a) केवल 1, 2 और 5
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 3, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना को वर्ष 1998 में किसानों को उनकी खेती और बीज, उर्वरकों, कीटनाशकों आदि जैसे कृषि आदानों की खरीद तथा उनकी उत्पादन आवश्यकताओं के लिये नकदी निकालने जैसी अन्य आवश्यकताओं के लिये लचीली एवं सरलीकृत प्रक्रिया के साथ एक एकल खड़िकी के तहत बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त तथा समय पर ऋण सहायता प्रदान करने हेतु शुरू किया गया था।
- इस योजना को वर्ष 2004 में किसानों की नविश ऋण आवश्यकता जैसे संबद्ध और गैर-कृषि गतिविधियों के लिये आगे बढ़ाया गया था।
- **किसान क्रेडिट कार्ड नमिनलखिति उद्देश्यों के साथ प्रदान किया जाता है:**
 - फसलों की खेती के लिये अल्पकालिक ऋण आवश्यकता
 - फसल के बाद का खर्च; **अतः कथन 4 सही है।**
 - वपिणन ऋण का उत्पादन
 - किसान परिवार की खपत की आवश्यकताएँ; **अतः कथन 3 सही है।**
 - कृषि संपत्तियों और कृषि से संबंधित गतिविधियों, जैसे- डेयरी पशु, अंतर्देशीय मत्स्य पालन आदि के रखरखाव के लिये कार्यशील पूंजी, **अतः कथन 1 सही है।**
 - कृषि और संबद्ध गतिविधियों जैसे- पंपसेट, स्प्रेयर, डेयरी पशु आदि के लिये नविश ऋण की आवश्यकता। हालाँकि यह खंड दीर्घकालिक ऋण का है।
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना वाणज्यिक बैंकों, आरआरबी, लघु वित्त बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा कार्यान्वित की जाती है।
- किसानों को कंबाइन हार्वेस्टर, ट्रैक्टर और मनी ट्रक की खरीद एवं परिवार के घर के निर्माण और गाँव में कोल्ड स्टोरेज सुविधा की स्थापना के लिये अल्पकालिक ऋण सहायता नहीं दी जाती है। **अतः कथन 2 और 5 सही नहीं हैं।**

अतः विकल्प (b) सही है।

प्रश्न: 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2016)

1. इस योजना के तहत किसानों को वर्ष के किसी भी मौसम में खेती की जाने वाली किसी भी फसल के लिये दो प्रतिशत का एक समान प्रीमियम का भुगतान करना होगा।
2. इस योजना में चक्रवातों और बेमौसम बारिश तथा फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को शामिल किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

[स्रोत: द द्रिष्टि](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/kisan-diwas-1>

